हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, शुक्रवार 16 अक्टूबर 2026

तापमान
अधिकतम 32.0 डिग्री
न्यूनतम 22.0 डिग्री

11 जुगाड़ के वाहनों पर पुलिस का शिकंजा 15 साल पुरानी बाइक से बनी 8 रिक्शा इंपाउंड



12 लीज पर चल रही 'अनफिट' बसों पर कसेगा शिकंजा



खबर संक्षेप

दहेज उत्पीड़न मामले में आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। पुलिस ने दहेज की मांग पर विवाहिता को परेशान करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने एक विवाहिता की शिकायत के आधार दोनों पक्षों के बीच राजीनामा कराने के प्रयास किए थे। बार-बार काउंसलिंग के बाद भी उनमें समझौता नहीं हुआ, तो पुलिस ने गत 3 अक्टूबर को ससुराल पक्ष के लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया था। इस मामले में पुलिस ने जांच के बाद गुरूग्रा के भौड़ाकलां निवासी अरुनेश को गिरफ्तार किया है। तफ्तीश में शामिल करने के बाद उसे रिहा कर दिया गया।

वीर सैनिकों के सम्मान में रक्तदान शिविर 18 को

रेवाड़ी। मोती चौक व्यापार संगठन के तत्वावधान में 18 अक्टूबर को देश के वीर सैनिकों के सम्मान में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। संगठन के प्रधान पुरुषोत्तम दास कोसली वाले ने बताया कि दिल्ली कैंट से कारगिल फतेह वाली सैनिक डॉक्टरों की विशेष टीम रक्तदान शिविर का नेतृत्व करेगी। कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक लक्ष्मण सिंह यादव व डीसी अभिषेक मीणा करेंगे। गत वर्ष रक्तदान शिविर में 250 यूनिट का लक्ष्य पूरा किया गया। इस बार 300 यूनिट रक्तदान का लक्ष्य रखा गया है। संगठन के प्रेस सचिव दिनेश कपूर ने बताया कि अन्नपूर्णा डेंटल केयर अस्पताल पर सुबह 9 बजे रक्तदान की प्रक्रिया शुरू होगी। अस्पताल के निदेशक डा. वसंत गुप्ता व डा. विद्या गुप्ता टीम के साथ शिविर में सहयोग करेगी।

सरसों की बिजाई के लिए अनुकूल बना मौसम, आज भी तेज हवाओं के साथ बारिश के आसार

तेज हवाओं के साथ तेज बरसात ने बढ़ाई परेशानी, मंडी में भीगा बाजरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

अक्टूबर माह के दूसरे पखवाड़े में मौसम ने एक बार फिर करवट ली है। तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश ने किसानों के लिए राहत का काम कर दिया है। दिन के तापमान में भारी कमी आने से किसान खुश नजर आ रहे हैं। अगले एक-दो दिन तक मौसम इसी तरह का बना रहने के आसार हैं।

वीरवार को सुबह के समय आसमान साफ रहा। इसके बाद अचानक बादल छाने के बाद आंधी और तेज हवाओं के साथ बारिश शुरू हो गई। सुबह करीब 9 बजे कई इलाकों में आंधी के साथ अच्छी बारिश हुई। इससे दिन के तापमान में कमी आ गई। अधिकतम तापमान 4.0 डिग्री सेल्सियस की गिरावट के साथ 32.0 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। न्यूनतम तापमान 1.0 डिग्री सेल्सियस बढ़कर 22.0 डिग्री पर पहुंच गया। हवा में नमी का स्तर 80 प्रतिशत तक रहा। अभी तक दिन का तापमान सामान्य से अधिक चल रहा था, परंतु बारिश के बाद इसमें गिरावट आ गई। आने वाले दिनों में दिन के समय गर्मी का असर कम होना शुरू हो जाएगा, जिसके बाद लोगों को गर्म कपड़े संभालने होंगे। कूलरों का इस्तेमाल बंद हो जाएगा, जबकि एसी की ठंडक भी जल्द कम पड़ जाएगी। मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता के चलते शुक्रवार को भी आसमान में बादलों के बीच बूंदाबांदी या हल्की बारिश हो सकती है। आसमान में छाए बादलों से और बारिश होने की संभावना बनी हुई थी।



रेवाड़ी। बरसात में भीगता अनाजमंडी में खुले में पड़ा बाजरा। फोटो :हरिभूमि

गेटपास काटने व बायोमैट्रिक का काम रुका

इस समय बड़ी संख्या में किसान बाजरा बेचने के लिए अनाजमंडी में पहुंच रहे है। आवक अधिक होने के कारण बाजरा खुले में पड़ा हुआ था। खरीद व्यापारियों की ओर से की जा रही है। बारिश होते ही किसानों ने बाजरे को भीगने से बचाने के इंतजाम खुद ही करने पड़े। ट्रैक्टरों में लोड कई किसानों का बाजरा बारिश से भीग गया। अनाजमंडी के फड़ों व सड़क पर रखी व्यापारियों की ओर से खरीदे गए बाजरे के कट्टे भी बारिश में भीग गए। बारिश आने पर मंडी के गेट पर फसल सत्यापन करने, गेटपास काटने व बायोमैट्रिक का काम भी रूक गया और कर्मचारी व पुलिसकर्मी सीट छोड़कर बारिश से बचाव करते नजर आए।





बिजली की खपत में कमी से राहत

बारिश के बाद मौसम सुहाना होने से घरेलू बिजली का लोड वीरवार को कम हो गया। आंधी के बाद बड़ी संख्या में फीडर बंद कर दिए थे। इसके बाद इन फीडरों को चालू किया गया। बिजली की दैनिक खपत में 10 लाख यूनिट से अधिक की कमी दर्ज की गई, जिससे उपभोक्ताओं को अनावश्यक पावर कटों से राहत मिल गई। तापमान गिरने के बाद बिजली की खपत में और कमी आने का अनुमान है। बारिश से प्रदूषण का स्तर भी 100 से कम पर आ गया है।

सरसों की बिजाई में होगी आसानी

रबी की प्रमुख फसल सरसों की बिजाई का समय आ गया है। इस बार जिले में लगभग 90 हजार हेक्टेयर भूमि पर सरसों की बिजाई का अनुमान है। किसान बिजाई करने के लिए फव्वारा सिस्टम से खेतों की सिंचाई में लगे हुए हैं। बारिश के बाद किसानों को जमीन की सिंचाई से छुटकारा मिल जाएगा। जिन इलाकों में अच्छी बारिश हुई है, वहां मौसम साफ होते ही किसान सरसों की बिजाई शुरू कर सकते हैं। पारा गिरने से अंकुरित फसल के खराब होने की आशंका भी कम हो गई है।

मुकेश हत्याकांड में दो आरोपी गिरफ्तार



रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में अत्या के आरोपी। फोटो : हरिभूमि

■ पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

खोल गांव में गत 13 अक्टूबर की रात लगभग 55 वर्षीय मुकेश की पीटकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने चंद घंटों बाद ही दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। उन्हें कोर्ट में पेश करने के बाद रिमांड पर लिया गया है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है। गुरुग्राम में परिवार सहित रह रहा मुकेश बीते मंगलवार को पेंशन लेने के लिए अपने गांव खोल आया हुआ था। रात को वह अपने दोस्त बीरसिंह के साथ बैठा हुआ था। इसी दौरान गांव के कुछ लोगों ने उन दोनों पर हमला कर दिया। पुलिस शिकायत में मृतक मुकेश के बेटे नितिन ने बताया कि उसके पास रात को बड़ी बहन साक्षी का फोन आया था। उसकी बहन ने बताया कि उनके पिता को लड़ाई-झगड़े में चोट लग गई है। सूचना मिलने के बाद वह बाइक लेकर खोल सीएचसी पहुंचा। वहां उसे बताया गया कि उसके पिता को ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया गया। वह ट्रॉमा सेंटर पहुंचा, तो उसके पिता ने बताया कि उसके व बीरसिंह के साथ रंजिशवश हिमांश उर्फ हिल्लू व राहुल ने मारपीट की है। इसके बाद उसके पिता ने बोलना कर दिया। बाद में डॉक्टरों ने उसके पिता को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने उसकी शिकायत के आधार पर केस दर्ज करने के बाद दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

राहुल के साथ मिलकर हमला

पुलिस पूछताछ के दौरान हिमांशु ने बताया कि मुकेश और बीरसिंह दोनों साथ बैठकर शराब पी रहे थे। वह उनके पास गया तो दोनों ने उसके साथ झगड़ा शुरू कर दिया। वह वापस आकर राहुल को अपने साथ लेकर वहां गया और दोनों पर लाठी से हमला कर दिया।

जमीनी विवाद में बनी थी रंजिश

मृतक के बेटे नितिन के अनुसार गांव में उनकी पुस्तैनी जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। उसने आशंका जताई कि इसी विवाद की रंजिश में उसके पिता पर हमला किया गया, जिसमें उसके पिता की जान चली गई। उसने पुलिस से मामले की निष्पक्ष जांच की मांग भी उठाई है।



सेलिब्रेशन / शिखर चंद जैन

बच्चो, यह तो तुम्हें पता ही होगा कि अगले सप्ताह दशहरा पर्व मनाया जाएगा। तुम भी अपने पैरेंट्स के साथ आस-पास लगने वाले दशहरे मेले को एंज्वॉय करने के लिए एक्साइटेड होगे। क्या तुम जानते हो कि अपने देश के विभिन्न प्रदेशों में दशहरा अलग-अलग तरीकों से मनाया जाता है? देश के कुछ अनोखे दशहरा सेलिब्रेशंस के बारे में जानकर, तुम 'वाओ' किए बिना नहीं रह पाओगे।

विभिन्न जगहों पर दिखते हैं दशहरे के अलग-अलग रंग

बोम्माई गोलू-गुड़िया का त्योहार तमिलनाडु-आंध्र प्रदेश



दक्षिण भारत के तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश राज्यों में दशहरे के अवसर पर 'बोम्माइ गोलू' या गुड़िया का त्योहार मनाया जाता है। इसके लिए लोग अपने घरों में लकड़ी की 3, 5, 7 या 9 सीढ़ीनुमा रैक बनाते हैं। इन पर देवी-देवताओं, इंसानों, जानवरों, फलों और सब्जियों के आकार की मिट्टी की सुंदर गुड़िया सजाई जाती हैं। ये गुड़िया रामायण, महाभारत, पौराणिक और पंचतंत्र की कहानियों को दर्शाती हैं। सभी बच्चे अपने दोस्तों को अपने घर का 'गोलू' देखने के लिए बुलाते हैं। इस अवसर पर घर आए मेहमानों को स्वादिष्ट मिठाई सुंडल परोसी जाती है। *



हाथियों की राजसी शोभायात्रा कर्नाटक

कर्नाटक के मैसूर का दशहरा इतना भव्य होता है कि इसे देखने दुनिया भर से लोग आते हैं। दशहरे के दौरान मैसूर के विशाल महल को करीब 1 लाख बल्बों से सजाया जाता है। रात में यह महल सोने की तरह चमकता है, मानो कोई परीकथा का महल हो! इस त्योहार का सबसे शानदार हिस्सा होता है 'जंबो सवारी', इसमें सजे-धजे हाथियों का एक बड़ा जुलूस निकलता है। सबसे आगे चलने वाले हाथी की पीठ पर सोने का एक भारी हौदा रखा जाता है, जिसमें देवी चामुंडेश्वरी की मूर्ति रखी जाती है। जब यह जुलूस निकलता है, तो पूरे सम्मान के साथ तोपों से सलामी दी जाती है और शानदार बैंड बजता है। मैसूर में दशहरा का यह भव्य आयोजन देखकर तुम्हें ऐसा लगेगा जैसे तुम किसी राजा-महाराजा के जमाने में पहुंच गए हो। *

कुल्लू का भव्य दशहरा हिमाचल प्रदेश

हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में रावण, कुंभकर्ण या मेघनाद का पुतला नहीं जलाया जाता। यहां के लोग सुंदर और सजे-धजे देवी-देवताओं की मूर्तियों को लकड़ी की पालकियों या रत्नों से सजे रथों में बिठाकर लाते हैं। इनकी भव्यता देखकर ऐसा लगता है जैसे देवी-देवता आसमान से उतरकर हमसे मिलने आए हों! कुल्लू के विशाल मैदान में यह मेला पूरे सात दिनों तक चलता है। हर तरफ सुंदर संगीत, पहाड़ी डांस और रंग-बिरंगे कपड़े पहने लोग दिखाई देते हैं। दशहरे के दौरान यहां की रौनक देखते ही बनती है! *



75 दिनों तक मनाया जाने वाला दशहरा छत्तीसगढ़



छत्तीसगढ़ के बस्तर में दशहरा पर्व पूरे 75 दिनों तक मनाया जाता है। यह दुनिया में सबसे लंबे समय तक मनाया जाने वाला त्योहार है। यहां दशहरे पर प्रकृति और देवी की पूजा की जाती है। यहां रावण को नहीं जलाया जाता। बस्तर के आदिवासी लोग दशहरे के दौरान अपनी कुलदेवी 'माई दंतेश्वरी' की पूजा करते हैं। वे जंगलों, पेड़ों और प्रकृति का शुक्रिया अदा करते हैं। इस त्योहार में लोग जंगल से विशाल लकड़ियां लाते हैं और बिना किसी कील के एक बहुत बड़ा रथ बनाते हैं। इस रथ को खींचने में सैकड़ों लोग एक साथ जुटते हैं। *

डांडिया और गरबा की धूम गुजरात

गुजरात में दशहरे का जश्न नौ दिनों तक चलता है। इस दौरान यहां बच्चे, बूढ़े और जवान सभी रंग-बिरंगे पारंपरिक ड्रेस में सजते हैं। लड़कियां चनिया-चोली पहनती हैं और लड़के केडियू पहनते हैं। मिट्टी के एक सुंदर दीये, जिसे गरबो कहते हैं, के चारों ओर घूमकर सब लोग एक ही ताल में गरबा और डांडिया डांस करते हैं। दशहरे के ठीक अगले दिन सुबह गुजरात में हर घर और दुकान पर लोग गरमा-गरम फाफड़ा (एक नमकीन स्नैक) और रसदार जलेबी का मजा लेते हैं। *



रमन ने दशहरे पर रावण का जो पुतला बनाया, वह एकाएक बोलने लगा। पुतले ने कई ऐसे सवाल पूछ लिए, जिससे रमन बहुत कुछ सोचने पर मजबूर हो गया। सभी बच्चों को जागरूक करने वाली कहानी।

नींद खुली



छोटी कहानी
डॉ. दर्शन सिंह 'आशट'

रमन गहरी नींद में सो रहा था। पांच घंटे की कड़ी मेहनत के बाद, रमन और उसके दोस्तों ने दशहरे के लिए रावण का पुतला तैयार किया और उसे एक खुली जगह पर स्थापित कर दिया। अचानक रमन को लगा, जैसे पुतला जीवित हो गया है, वह बुला रहा है, 'रमन!'

रमन हैरान था। उसने पुतले से पूछा, 'तुम्हें कैसे पता चला कि मेरा नाम रमन है?' पुतला बोला, 'तुम्हारे सारे दोस्त तुम्हें 'रमन-रमन' कहकर बुलाते हैं। मैं इस वक्त तुम्हारी आवाज सुन रहा हूं। क्या तुम मेरी आवाज सुन रहे हो? मेरे कुछ सवालों के जवाब दे सकते हो?'

रमन ने कहा, 'जरूर, पूछो।'

पुतले ने पहला सवाल किया, 'दशहरा क्यों मनाया जाता है?'

'हम बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक के रूप में दशहरा मनाते हैं।' रमन ने जवाब दिया।

पुतले ने अगला सवाल किया, 'क्या मेरे पुतले को जलाने से बुराई खत्म हो जाएगी?' पुतले के इस सवाल पर रमन चुप हो गया। पुतला बोला, 'रमन, क्या तुम्हें पता है कि तुम भी बुराई फैलाने वालों में से एक हो...?' रमन चौंका, 'मैं.. मैं..? मैं कैसे बुराई फैला रहा हूं?' 'क्या तुम इंसानी जान को खतरे में नहीं डाल रहे हो? जरा सोचो...।' यह कहकर रावण का पुतला स्थिर हो गया।

रमन घर आया। उसने अपनी मां को सारी बात बताई। मां बोलीं, 'रावण का पुतला सच कह रहा था।' रमन थोड़ा उदास हुआ। उसे लगा कि मां भी रावण के पुतले वाली बात का समर्थन कर रही हैं। रमन की तरफ देखते हुए मां ने पूछा, 'तुमने और तुम्हारे दोस्तों ने रावण के पुतले में जितने बम-पटाखे लगाए हैं। जब वे चलेंगे, तो क्या उनसे निकलने वाला जहरीला धुआं प्रकृति को नुकसान नहीं पहुंचाएगा? क्या इससे पर्यावरण प्रदूषित नहीं होगा?' रमन चुपचाप मां की बातें सुन रहा था।

मां ने रमन को समझाया, 'आकाश में ओजोन नामक गैस की एक परत मौजूद है, जो हमें सूर्य की पराबैंगनी किरणों के खतरनाक प्रभावों से बचाती है। यह परत एक मजबूत छतरी की तरह हमेशा हमारी रक्षा करती है। जब हमारे द्वारा उत्पन्न ऐसा जहरीला धुआं आकाश में जाता है, जिसमें कार्बन मौजूद होता है तो ओजोन परत कमजोर होकर फटने लगती है। जितना जहरीला धुआं ऊपर जाएगा, ओजोन परत में छेद उतने ही गहरे होते जाएंगे।'

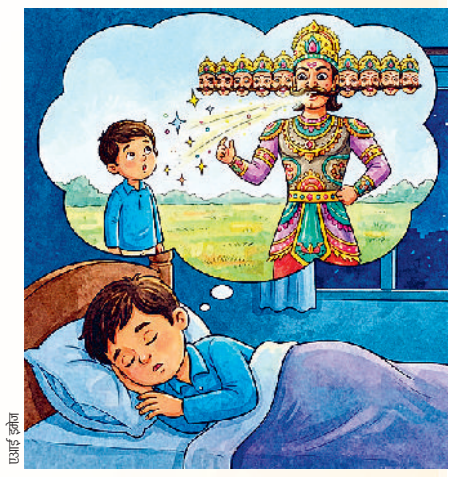

एआई इनोज

'तो फिर जब हम इतने सारे बम-पटाखे लाए हैं, उनका जहरीला धुआं भी ऊपर जाकर ओजोन परत को भी प्रभावित करेगा।' रमन बोला। 'बिलकुल सही बेटा! जैसे तुम और तुम्हारे दोस्त हर गली-मोहल्ले में तीन-तीन पुतले बनाकर उनमें बड़े-बड़े बम-पटाखे फिट कर रहे हो, जब वे जलेंगे, तो पर्यावरण प्रदूषित होगा ही! कितने ही लोग इस वजह से सांस की बीमारियों से जूझ रहे हैं।' मां ने विस्तार से रमन को बताया।

रमन देर तक मां की बताई बातों के बारे में सोचता रहा। तभी उसके मन के किसी कोने से आवाज आई, 'रावण का पुतला शायद सही कह रहा था।'

तभी रमन का सपना टूट गया था। उसकी नींद खुल चुकी थी। दशहरा का खुशनुमा त्योहार उसका स्वागत कर रहा था। *

कविता / शिवचरण चौहान

प्यारा दशहरा

है दशहरा पर्व प्यारा।
राम जीते हैं समर में
और रावण गया मारा।।
राम मर्यादा पुरुष थे
कर्म उनके सभी पावन।
किंतु अमर्यादित था रावण
कर्म करता था अपावन।
था दशानन अत्याचारी
कांपता संसार सारा।।
है दशहरा पर्व प्यारा।।
राम की सीता चुरा कर
ले गया था अपनी लंका।
हर कोई डरता था उससे
बज रहा रावण का डंका।
राम ने लंका में चढ़ कर
युद्ध में रावण को मारा।।
है दशहरा पर्व प्यारा।।
सत्य जीता, झूठ हारा
मिट गई है सारी शंका।
झूठ की, अन्याय की
जल कर हुई है राख लंका।
हम मनाते विजय दशमी
अब तलक यह पर्व प्यारा।।
है दशहरा पर्व प्यारा।।



एआई इनोज

हंसगुल्ले



चिंटू : दर्दनाक का क्या मतलब होता है?
मिंटू: जिसके नाक में दर्द हो, वह दर्दनाक होता है।
-अभिषेक, रायपुर

सोनी : पापा, मुझे कंप्यूटर सीखना है।
पापा : चलो, पहले माउस पकड़ना सीखो।
सोनी : लेकिन माउस तो बिल्ली पकड़ती है!
-खुशी, महेंद्रगढ़

गप्पा : आज टीवी पर एक फॉरेस्ट शो में 10 फीट का भालू देखने को मिलेगा, लेकिन मैं नहीं देख पाऊंगा।
गोलू : क्यों?
गप्पा(हंसते हुए) : क्योंकि मेरा टीवी केवल 31 इंच का है ना!
-प्रियंका, रोहतक

जीके क्विज-227

1. वर्ष 2026 का नोबेल शांति पुरस्कार किसे प्रदान करने की घोषणा की गई है?
2. साहित्य के लिए 2026 का नोबेल पुरस्कार किसे दिया जाएगा?
3. किस राज्य में स्थित वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व को हाल में चीता आवास घोषित किया गया है?
4. भारतीय वायुसेना का 29वां प्रमुख हाल ही में किसे नियुक्त किया गया है?
5. अशोक ने कलिंग युद्ध के बाद कौन-सा धर्म अपनाया?
6. फुटबॉल की एक टीम में कितने खिलाड़ी होते हैं?
7. 'पंचतंत्र' के लेखक कौन हैं?
8. संयुक्त राष्ट्र संघ का मुख्यालय कहां स्थित है?
9. भारत की सबसे बड़ी झील कौन-सी है?
10. ऑस्ट्रेलिया की राजधानी कहां है?



बच्चों, जीके क्विज-227 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें **balbhoomihb@gmail.com** पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-226 का उत्तर : 1. 85 पदक, 2. ट्रैप शूटिंग, 3. चौथा स्थान, 4. दोहा (कतर), 5. 10 अक्टूबर, 6. येन, 7. ओटावा, 8. प्रकाश संश्लेषण, 9. कौटिल्य, 10. राष्ट्रपति

जीके क्विज-226 का सही उत्तर देने वाले : स्वाति-राजनांदगांव, मौसम-कांकेर, सुमन-बिलासपुर, हर्षित-रायपुर, ज्ञानेश-महासमुंद, रुचि-बलौदा बाजार, दिव्या-रोहतक, अंशु-कांकेर, सचिन-बालोद, कुसुम-रायगढ़, प्रिया-दुर्ग



कहानी
सुमन बाजपेयी

आदित्य ने दशहरे के मौके पर रावण के जो दस मुखौटे बनाए, उनमें एक मुखौटा चुप्पी भी बनाया। आदित्य का कहना था कि किसी गलत बात के लिए चुप्पी साधे रहना एक बड़ी बुराई है। आदित्य ने सिर्फ मुखौटा ही नहीं बनाया, अपने दोस्तों के साथ एक गलत बात का विरोध कर कथनी को करनी में बदलने का साहस भी दिखाया।

चुप्पी तोड़ें !

दशहरे में अभी कुछ ही दिन बाकी थे। स्कूल के सभागार में रंगीन कागज, गोंद और पेंट बिखरे हुए थे। रमा मैडम ने बच्चों को बताया, 'इस बार हमारी प्रदर्शनी का विषय है- रावण के दस सिर। लेकिन सिर्फ अहंकार और क्रोध लिखकर काम नहीं चलेगा। सोचो, आज के समय में रावण किन बुराइयों के रूप में हमारे आस-पास दिखाई देता है?'

आदित्य काफी देर तक कागज पर कुछ लिखता रहा। फिर उसने दस शब्द लिखे- झूठ, लालच, डर, स्वार्थ, अफवाह, छल, अन्याय, चापलूसी, घमंड और चुप्पी। रमा मैडम ने आखिरी शब्द पर अंगुली रखी, आदित्य से पूछा,'चुप्पी भी..?' 'जब लोग गलत बात देखकर भी चुप रहते हैं, तो गलत बात को मजबूती मिलती है न!' आदित्य ने स्पष्ट किया। मैडम ने उसकी ओर देखा और सहमति प्रकट की, 'बिल्कुल..।'



एआई इनोज

आदित्य ने दस मुखौटे बनाने शुरू कर दिए। वह इस काम में लगा ही था कि उसकी नजर स्कूल के पीछे के मैदान पर पड़ी। चारों ओर लोहे की चादरें लगाई जा रही थीं। वह मैदान वर्षों से बच्चों के खेलने की जगह था। अब वहां एक बोर्ड लगा था- 'यहां आधुनिक मनोरंजन केंद्र बनेगा।' अगले दिन आदित्य ने स्पोर्ट्स टीचर से पूछा, 'सर, क्या हमारे खेलने के लिए अब मैदान नहीं रहेगा?' 'हमें बताया गया है कि बच्चों के खेलने के लिए दूसरी जगह बना दी जाएगी।' स्पोर्ट्स टीचर ने बताया। 'कहां?' आदित्य ने फिर पूछा।

स्पोर्ट्स टीचर के पास इसका कोई जवाब नहीं था। आदित्य को बात खटक गई। उसने अपने दोस्तों सिया और नमन के साथ पुराने अखबार और स्कूल की लाइब्रेरी के पेपर देखने शुरू किए। उन्हें तीन-चार साल पुरानी एक खबर मिली, जिसमें लिखा था, 'यह जमीन बच्चों के खेल मैदान के लिए सुरक्षित की गई है।'

'तो फिर इसे किसी और काम के लिए कैसे दिया जा सकता है?' सिया ने पूछा। तीनों ने इधर-उधर से नगर के पुराने रिकॉर्ड तलाशे। कुछ दिन बाद उन्हें एक दस्तावेज मिला, जिसमें लिखा था कि मैदान का उपयोग बदलने की अनुमति एक विशेष बैठक में दी गई थी। लेकिन उस तारीख की बैठक का कोई रिकॉर्ड कहीं नहीं मिला।

'यह पेपर गलत हो सकता है।' आदित्य बोला। 'और जिसे जमीन चाहिए, वही इस दशहरे का मुख्य प्रायोजक भी है।' सिया ने धीरे से कहा।

उस व्यक्ति का नाम रजत कुमार मल्होत्रा था। शहर में उसकी बड़ी प्रतिष्ठा थी। वह स्कूलों में बच्चों को पुरस्कार देने के लिए बड़ी राशि देता था। गरीब बच्चों को किताबें बांटता था। हर साल दशहरा समारोह में सबसे ज्यादा पैसा देता था। नमन बोला, 'इतना अच्छा आदमी गलत काम करेगा, यह मानना मुश्किल है।' 'अच्छा दिखना और हमेशा सही होना एक बात नहीं है।' आदित्य नमन की तरफ देखते हुए बोला।

दशहरे की शाम पूरा शहर मैदान में जमा था। रावण का विशाल पुतला खड़ा था। मंच पर रजत कुमार मल्होत्रा बैठे थे। उन्होंने माइक पर जोरदार शब्दों में बहुत सारी बातें कीं। अंत में बोले, 'दशहरा हमें सिखाता है कि अंत में सत्य की ही जीत होती है।' तालियां गूंज उठीं। आदित्य मंच के पीछे खड़ा था। उसके हाथ में वे पेपर थे, जो उसने कई दिनों से संभालकर रखे थे। वह जानता था कि इतने लोगों के सामने बोलना आसान नहीं होगा। एक पल को उसे डर लगा। फिर उसकी नजर अपने बनाए दस मुखौटों पर पड़ी। उसे दसवां मुखौटा याद आया- चुप्पी। चुप्पी को कमजोरी बनने देने से अच्छा है उसे तोड़ दिया जाए। वह माइक के पास गया, 'मैं कुछ कहना चाहता हूं।' दर्शक कौतुहल से उसकी ओर देखने लगे। 'हमारे स्कूल के पीछे का मैदान बच्चों के लिए सुरक्षित था। फिर उसे बनाने के लिए कागज बदले गए। जिस बैठक का जिक्र इन पेपरों में है, वह हुई ही नहीं।' आदित्य ने पूरे आत्मविश्वास से माइक पर अपनी बात लोगों के सामने रखी। रजत कुमार मल्होत्रा तुरंत खड़े हो गए, 'बच्चे को पूरी जानकारी नहीं है।'

सिया आगे आई, 'हमारे पास पुराने रिकॉर्ड हैं।' नमन ने बैठक रजिस्टर की तस्वीर सबको दिखाई। नगर परिषद का एक अधिकारी भी वहीं मौजूद था। उसने दोनों कागज देखे और बोला, 'मामला गंभीर है। जांच होने तक निर्माण रोका जाएगा।' भीड़ में फुसफुसाहट फैल गई। रजत कुमार मल्होत्रा चुप खड़े रहे।

उसी समय रावण के पुतले में आग लगा दी गई। एक-एक करके उसके सिर जलने लगे। रमा मैडम ने आदित्य से कहा, 'अब बताओ, तुम्हारे बनाए रावण के दस मुखौटों में सबसे खतरनाक कौन-सा था?' आदित्य जलते रावण को देखकर बोला, 'चुप्पी, क्योंकि झूठ और अन्याय तभी टिकते हैं, जब सच जानने वाले लोग भी चुप रहें।' कुछ दिनों बाद जांच में दस्तावेजों की गड़बड़ी सामने आई और मैदान बच गया। बच्चों ने अपने मुखौटे स्कूल की प्रदर्शनी में लगा दिए। लोग आदित्य के बनाए मुखौटे बहुत ध्यान से देख रहे थे। झूठ, लालच, डर, स्वार्थ, अफवाह, छल, अन्याय, चापलूसी, घमंड और चुप्पी। सबसे नीचे आदित्य ने लिखा था, 'रावण हर साल जलता है, लेकिन उसके मुखौटे हमारे आस-पास फिर दिखाई दे सकते हैं। उन्हें पहचानना और सत्य के साथ खड़ा होना ही असली विजय है। चुप्पी तोड़ें।' *

तुम्हारे लिए नई किताब / विज्ञान भूषण

रहस्य-रोमांच से भरा उपन्यास

बच्चो, जरा सोचो अगर तुम अचानक किसी ऐसी जगह पर पहुंच जाओ, जहां पेड़ पहियों पर खड़े हों, उन पर रंग-बिरंगे, लंबे, गोल, चपटे फल लगे हों, टोपी लगाए हुए प्यारे पक्षी हों, दूधिया झाग वाला झरना हो और छातेनुमा फूल हों तो कैसा लगेगा? तुम कहोगे, ऐसी जगह तो कमाल की होगी! हाल में छपकर आए बाल उपन्यास 'पहिया ग्रह' को पढ़ते हुए तुम ऐसे ही एक काल्पनिक ग्रह का अनुभव करोगे। लेखिका उषा सोमानी द्वारा लिखे गए इस बाल उपन्यास की मुख्य पात्र एक प्यारी सी बच्ची वैशाली है, जो बर्फ से ढंकी पहाड़ियों के बीच स्थित एक गांव में रहती है। एक बार मां के कहने पर वह जंगल में लकड़ियां लेने जाती है और तूफान से बचने के लिए एक गुफा में शरण लेती है। वहां से वह एक ऐसे अनजाने पहिया ग्रह में पहुंच जाती है, जिसकी कभी उसने कल्पना भी नहीं की थी। वहां उसे सब कुछ बहुत अद्भुत नजर आता है। कुछ मुश्किलें भी उसके सामने आती हैं लेकिन वह हिम्मत नहीं हारती है। वहां उसकी मुलाकात अजीबो-गरीब चीजों के अलावा रोबोट जैसे दिखने वाले वैज्ञानिक चक्रधर से होती है। उसे पता चलता है कि प्रदूषण कैसे आने वाले समय में पृथ्वी के लिए बहुत बड़ा खतरा बन सकता है। इसके बाद क्या होता है, वैशाली वापस अपने गांव कैसे लौटती है, पृथ्वी की सुरक्षा के लिए क्या योजना बनाती है? यह सब जानने के लिए तुम्हें रहस्य और रोमांच से भरी यह किताब पढ़नी होगी। *



किताब: पहिया ग्रह (बाल उपन्यास), **लेखिका:** उषा सोमानी, **मूल्य:** 180 रुपए, **प्रकाशक:** अद्विक पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, दिल्ली

अंतर बताओ

बच्चो, यहां राम और रावण के दो चित्र दिए गए हैं। एक जैसे दिख रहे इन दोनों चित्रों में पांच अंतर हैं। तुम फटाफट इन दोनों चित्रों में पांच अंतर ढूंढ़कर बताओ।



उत्तर: 1. राम के हाथ में बाण नहीं है। 2. राम के दाहिने हाथ में बाजूबंद नहीं है। 3. रावण के दो सिर कम हैं। 4. रावण के परिधान का रंग बदला हुआ है। 5. रावण के हाथ में पकड़े शस्त्र का आकार छोटा है।

परछाई पहचानो

बच्चो, यहां रावण के पुतले का एक चित्र दिया गया है, उसके बगल में चार परछाइयां भी दी गई हैं। तुम चित्र और परछाइयों को ध्यान से देखकर बताओ कि दिए गए चित्र की सही परछाई कौन-सी है?

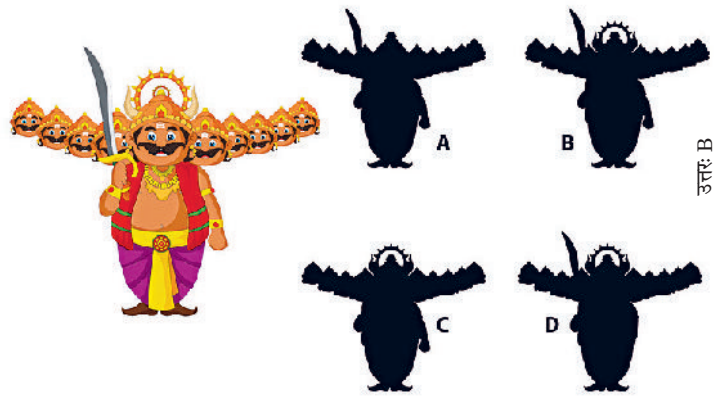

उत्तर: B

खबर संक्षेप

आयकर अधिकारियों ने टीडीएस की दी जानकारी

रेवाड़ी। अहीर कॉलेज में टैक्स डिडक्टेड एट सोर्स पर सेमिनार का आयोजन किया। इसका उद्देश्य फैकल्टी सदस्यों और प्रतिभागियों के बीच आयकर अधिनियम के तहत टीडीएस के प्रावधानों, प्रक्रियाओं और इसके महत्व के बारे में जागरूकता फैलाना था। सेमिनार में आयकर विभाग के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। आयकर विभाग के मुख्य वक्ता ने टीडीएस के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी।

कोसली में विद्यार्थियों को स्वस्थ रहने के दिए टिप्स

कोसली। शहीद मेजर विकास यादव राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कोसली में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। कोसली उपमंडल अस्पताल के डा. विनोद व एएनएम ममता की ओर से बच्चों का एचबी, हाइट, वेट, दातों व आंखों की जांच की गई। डा. विनोद ने बच्चों को खून में हीमोग्लोबिन की मात्रा बढ़ाने के लिए चुकंदर, हरी पत्तेदार सब्जियां पालक, मेथी और सरसों का साग खानपान में शामिल करने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि उत्तम स्वास्थ्य के लिए विटामिन सी युक्त फल नींबू, संतरा आंवला और अमरूद खाने चाहिए। इसके अतिरिक्त गुड़ और चना भी आयरन का एक अच्छा स्त्रोत है। स्वास्थ्य को ठीक रखने के लिए पैकेट बंद खाद्य पदार्थों का प्रयोग नहीं करना चाहिए। प्रवक्ता बाल योगेश्वर ने छात्राओं को सेल्फ हाइजीन की जानकारी देते हुए बताया कि नियमित स्नान व हाथों को साबुन और पानी से कम से कम 20 सेकेंड तक अच्छी तरह धोना चाहिए।

साप्ताहिक स्पेशल रेलसेवा का संचालन नवंबर तक

रेवाड़ी। रेलवे की ओर से आगामी त्योहारी सीजन में अतिरिक्त यात्री यातायात को देखते हुए यात्रियों की सुविधा के लिए उदयपुर सिटी-दिल्ली सराय-उदयपुर सिटी साप्ताहिक स्पेशल रेलसेवा का संचालन किया जा रहा है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी अमित सुदर्शन ने बताया गाड़ी संख्या 09617 उदयपुर सिटी-दिल्ली सराय साप्ताहिक स्पेशल रेलसेवा 21 अक्टूबर 2026 से 25 नवंबर तक 6 ट्रिप प्रत्येक बुधवार को उदयपुर सिटी से रात्रि 9:15 बजे रवाना होकर अगले दिन सुबह 11:15 बजे दिल्ली सराय पहुंचेगी।

बदहाली की मार झेल रहा मीडिया सेंटर

रेवाड़ी। पुराने बदहाल कमरे के बाहर पड़ा कबाड़। कबाड़ के बीच झाड़ियों में जहरीले जानवरों का बसेरा। कमरे के अंदर टूटी कुर्सियां और सोफे। काम करने के लिए पुराने कबाड़ बन चुके कंप्यूटर। यह आलम है जिला मुख्यालय के मीडिया सेंटर का। सरकार भले ही प्रचार-प्रसार के नाम पर हर साल करोड़ों रुपये खर्च कर रही हो, लेकिन मीडियाकर्मियों को सुविधाओं के नाम पर बदहाल मीडिया सेंटर ही मुहैया कराया हुआ है।

स्टॉल लगाकर दी अनेक योजनाओं की जानकारी

धारूहेड़ा। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत वीरवार को धारूहेड़ा नगर पालिका में सेवा सेतु शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों की ओर से स्टॉल लगाकर नागरिकों को विभागीय सेवाओं, जनकल्याणकारी योजनाओं और पात्रता संबंधी जानकारी दी गई। अभियान के नोडल अधिकारी एवं एडीसी राहुल मोदी ने बताया कि शिविर में पात्र लाभार्थियों को योजनाओं के लिए आवेदन करने की प्रक्रिया के बारे में भी अवगत कराने के साथ ही पंजीकरण भी किए गए।

जरूरतमंदों की सहायता करना पुण्य का कार्य

खोल। खोल खंड के गांव मनेठी स्थित राजकीय माध्यमिक विद्यालय में ब्रिगेडियर संजय यादव की ओर से वीरवार को विद्यार्थियों को स्कूल ड्रेस और स्टेशनरी वितरित की गई। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करना और उनकी जरूरतों में सहयोग करना रहा। इस अवसर पर पंच विनोद सितारा, एडवोकेट राहुल यादव आदि रहे।

रामलीला का शुभारंभ जितिन अग्रवाल चेयरमैन ने किया

श्रीराम के राजतिलक की घोषणा होते ही कैकेयी ने वचन मांग कराया वनवास

मंच संचालन एडवोकेट भूपेन्द्र गुप्ता ने किया तथा प्रोमटिंग का कार्य एडवोकेट नितेश अग्रवाल ने किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी



रेवाड़ी। रामलीला का मंचन करते हुए कलाकार। फोटो : हरिभूमि



रेवाड़ी। पंचवटी में श्रीराम से शादी का प्रस्ताव रखती सूर्पनखा। फोटो : हरिभूमि

नई अनाजमंडी में श्री शिव रामलीला समिति के चौथे दिन की रामलीला में ढिंढौरची की ओर से नगरी में राजतिलक की घोषणा से श्रीराम वनवास तक की लीला दिखाई गई। लीला के दृश्य देखकर दर्शक भाव-विभोर हो गए। मंथरा के कान भरने पर रानी कैकई ने श्रीराम को वनों में भिजवा दिया। दर्शकों ने राज के बदले माता मुझको, हो गया हुक्म फकीरी का, प्रिये मान लो जिद छोड़ दो जैने गाने का लुत्फ उठाया। रामलीला का शुभारंभ जितिन अग्रवाल चैयरमेन ने किया। समिति के महासिचव दीपक मंगला ने बताया कि लीला में आशीष शर्मा ने राम, नवीन लखेरा ने लक्ष्मण, हर्ष गुप्ता ने सीता, दासिया उज्जवल व सोमेश सैनी, गिरिश गुप्ता ने कैकई, महेन्द्र भगत ने ढिंढोरची, पवन डाबला ने मंथरा, कपिल चन्द शर्मा ने दशरथ, एडवोकेट राजेश सैनी ने कौशल्या व प्रदीप शर्मा ने सुमित्रा का अभिनय किया। निर्देशन डायरेक्टर कपिलचंद शर्मा व डा. श्याम बिहारी का रहा। मंच संचालन एडवोकेट भूपेन्द्र गुप्ता ने किया तथा प्रोमटिंग का कार्य एडवोकेट नितेश अग्रवाल ने किया। रामलीला के आयोजन में मुख्य संरक्षक व विधायक लक्ष्मण सिंह यादव, अजय मित्तल, राकेश पाल्हावासिया, नरेश मित्तल, राधेश्याम मित्तल, प्रधान नवल किशोर गुप्ता, उपप्रधान अनिल कुमार गोयल, रमेश गेरा, सुरेश गर्ग, सन्नी गोयल, जितिन अग्रवाल, मुकेश एसआरसीएस, गिरिश सिंघला, मुकेश जिंदल, रिशू यादव, राकेश गोयल आदि मौजूद रहे।

भरत ने पंचवटी पहुंचकर प्रभु श्री राम से मांगी खड़ाऊं

रेवाड़ी। रेलवे कॉलोनी में श्री राम मंदिर रेलवे ड्रामेटिक क्लब की ओर से उत्साह व श्रद्धाभाव के साथ रामलीला उत्सव मनाया जा रहा है, जिसका निर्देशन के के सक्सेना कर रहे है। बुधवार रात्रि पं. मोहन लाल शर्मा के मंत्रोच्चारण व पूजन के बाद समाजसेवी सुभाष चंद शर्मा ने रामलीला का उद्घाटन किया। मंचन के दौरान भरत कैकईपुर से अयोध्या पहुंचते है ता पता चलता है कि महाराज दशरथ स्वर्ग सिधार गए व प्रभु राम, सीता व लक्ष्मण वनवास को गमन कर गए। इस पर भरत बहुत दुखी होते है और इन सबके लिए अपनी मां कैकई को दोषी मानते है। भरत अपनी मां अपनी मां की ओर से मांगा गया राज सिंहासन स्वीकार नहीं करते है और प्रभु राम को वापस लेने के लिए चित्रकूट के लिए रवाना हो जाते है। उनके साथ गुरू वाशिष्ठ, शुत्रघ्न, तीनों रानियां व सुमंत भी जाते है। श्री राम को जब ज्ञात होता है कि उनसे मिलने भरत आए है तो वे बहुत खुश होते है कि अयोध्या छोड़ते समय उनसे मुलाकात नहीं हो पाई थी। भरत प्रभु राम को साफ तौर पर मना कर देते है कि जिस राज गद्दी पर उनका अधिकार है उसको सेवक कभी स्वीकार नहीं कर सकता है। प्रभु राम भरत को समझा कर अयोध्या वापस जाने की आज्ञा देते है, जिसको भरत इस बात पर स्वीकार करते कि वे अयोध्या की गद्दी प्रभु राम की खड़ाऊं से सजाएंगे और स्वयं सन्यासी का जीवन व्यतीत करेंगे, लेकिन 14 वर्षो से एक भी दिन अधिक लगाया तो भरत को जीवित नहीं पाएंगे। प्रभु राम, सीता व लक्ष्मण चित्रकूट से पंचवटी को चले जाते है, जहां उनकी मुलाकात सूर्पनखा से होती है, जो प्रभु राम को विवाह करने के लिए खर-दूषण व रावण का डर दिखाती है, जिस पर क्रोधित होकर लक्ष्मण उसकी नाक काट देते है, जिसकी सूचना वह खर-दूषण को देती है और दोनों राम-लक्ष्मण से युद्ध में मारे जाते है। जब रावण को इसकी सूचना मिलती है तो वह प्रभु राम से वैरभाव बढ़ाने की योजना बनाता है कि यदि वो साधारण मनुष्य है तो वापस चले जाएंगे और यदि वो भगवान का अवतार है तो मुझसे युद्ध करने आएंगे, जिससे उसकी मुक्ति हो जाएगी। रामलीला में भरत का अभिनय सौरभ शर्मा, शत्रुघ्न-प्रिंस, राम-दिवेश शर्मा, लक्ष्मण-मोहित यादव, सीता-सागर, कैकई व सूर्पनखा-पायल शर्मा, योद्धाजीत-राजेश शर्मा, मेघनाथ-ब्रिजेश शर्मा, कौशल्या-नरेन्द्र गोयल, सुमित्रा-संजय सोनी, सुमंत-रोहित, गुरू वाशिष्ठ-सतीश, रावण-मुकेश भारद्वाज, खर-सतीश, मंथरा व दूषण-जितेश ने निभाया।

नैया को भव सागर से पार कराने वाले श्रीराम



रेवाड़ी। श्री घंटेश्वर महादेव मंदिर मोती चौक पर चल रही श्री घंटेश्वर महादेव मंदिर आदर्श रामलीला के मंच पर बुधवार रात्रि राम वनवास और केवट राम संवाद के साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी मंचन किया गया। प्रभु श्री राम, लक्ष्मण व सीता सहित वनवास की ओर गमन करते हैं। वनवास गमन के दौरान गंगा पार कराने की एवज में मल्लाह केवट को सीता अपनी अंगूठी देना चाहती हैं तो केवट इंकार कर देता है और श्री राम से गंगा पार कराने के किराए के रूप में स्वयं को भवसागर पार कराने का वायदा मांगता है, जिसे राम सहर्ष स्वीकार कर लेते हैं। केवट राम के पैर पखारता है और उनको अपनी जर्जर नाव से गंगा पार कराता है। उधर अयोध्या में राजा दशरथ, श्री राम के वियोग में प्राण त्याग देते हैं। रामलीला का शुभारंभ मुख्यातिथि संतोष सोनी ने किया। संरक्षक अशोक कुमार शर्मा ने बताया कि रामलीला में राजेश पंवार ने दशरथ, ललित सैनी ने राम, रूपेश ने सीता, हिमांशु गुप्ता ने लक्ष्मण, विजय पंवार ने सुमंत, भारत भूषण कश्यप ने केवट, लवली सोनी ने कैकई, दीपक सैनी ने सुमित्रा, संजय सैनी ने कौशल्या, मनीष सेन और सुनील भटनागर ने मल्लाह का अभिनय कर दर्शकों को भाव विभोर कर दिया। रामलीला का संगीत निर्देशन श्रीपति सिंह शेखावत ने किया।

राम वनवास का हुआ भावपूर्ण मंचन



रेवाड़ी। लोको शिव मंदिर ड्रामेटिक क्लब की ओर से आयोजित रामलीला में बुधवार रात्रि राम वनवास का भावपूर्ण मंचन किया गया। कलाकारों ने अपने शानदार अभिनय से भगवान श्रीराम के साथ माता सीता और भाई लक्ष्मण के वन जाने के प्रसंग को जीवंत कर दिया। मंचन के दौरान मर्यादा, त्याग, भाईचारे और पारिवारिक प्रेम का संदेश दिया गया। राम वनवास के प्रसंग में भगवान श्रीराम की भूमिका काकेश, लक्ष्मण की भूमिका विनोद और माता सीता की भूमिका संजय ने निभाई। वहीं, कौशल्या की भूमिका में रामनारायण तंवर ने अपने अभिनय से दर्शकों को प्रभावित किया। रामलीला के निर्देशक रामनारायण तंवर ने कहा कि राम वनवास का प्रसंग रामायण के सबसे भावुक और प्रेरणादायक प्रसंगों में से एक है। भगवान श्रीराम ने पिता के वचन और मर्यादा की रक्षा के लिए राजमहल का सुख त्यागकर वन जाने का निर्णय लिया। माता सीता ने पत्नी धर्म निभाते हुए उनके साथ वन जाने का संकल्प लिया, जबकि लक्ष्मण ने भी भाई के प्रति अपने प्रेम और समर्पण का परिचय देते हुए उनके साथ जाने का निर्णय लिया।

जुगाड़ के वाहनों पर शिकंजा, 15 साल पुरानी बाइक से बनी 8 रिक्शा इंपाउंड

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी



रेवाड़ी। पुलिस की ओर से जब्त किए गए पुराने व्हीकल।

जिला पुलिस सड़कों पर सुरक्षा सुनिश्चित करने और यातायात नियमों का पालन कराने के लिए मुस्तैद है। एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा ने यातायात पुलिस व जिले के सभी थाना प्रभारियों को यातायात नियमों की अवहेलना करने वालों तथा संदिग्ध वाहनों पर पैनी नजर रखने के निर्देश दिए है। विशेष रूप से बिना नंबर प्लेट, अधूरी या अस्पष्ट नंबर प्लेट, अथवा नंबरों से छेड़छाड़ कर वाहन चलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। इसके अतिरिक्त, एसपी ने एनजीटी के दिशा-निर्देशों की अनुपालना में 10 वर्ष पुराने डीजल और 15 वर्ष पुराने पेट्रोल वाहनों के संचालन पर पूर्ण रूप से रोक लगाते हुए ऐसे वाहनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के आदेश दिए हैं। वीरवार को ट्रैफिक पुलिस ने चेकिंग अभियान के दौरान 15 साल पुरानी बाइकों को काटकर और गैर-कानूनी तरीके से मॉडिफाई करके बनाई गई तिपहिया बाइक को जब्त किया है। चेकिंग के दौरान पाया गया कि इन तीनों जुगाड़ वाहनों पर न तो कोई नंबर प्लेट थी और न ही चालकों के पास इनका कोई वैध दस्तावेज मौजूद था।

सीजेएम ने लीगल सर्विस कमेटी बावल का लिया जायजा

रेवाड़ी। हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण पंचकूला के निर्देशानुसार डा. रेनू सोलखे मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी कम सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने वीरवार को सब डिविजनल लीगल सर्विस कमेटी बावल का दौरा किया। उन्होंने फ्रंट ऑफिस का निरीक्षण किया एवं रजिस्टर भी जांचें। इसके साथ उन्होंने आलोक आनंद अध्यक्ष सब डिविजनल लीगल सर्विस कमेटी बावल से मुलाकात की तथा पैनल अधिवक्ताओं व पैरालेगल वॉलिंटियर्स के साथ मीटिंग की तथा उनकी समस्याओं को सुनकर उचित दिशा निर्देश दिए।

नवाचार केवल व्यापार नहीं बनता, बल्कि राष्ट्र निर्माण का साधन बन जाता: बहाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोसली



रेवाड़ी। कार्यक्रम में मौजूद मुख्य वक्ता व कॉलेज स्टाफ सदस्य।

जैनाबाद स्थित डहीना इंजीनियरिंग कॉलेज में सेवा फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर अभियान के जिला संयोजक व मुख्य वक्ता सरदार सिंह बहाला ने कहा कि यह अभियान समाज के अंतिम व्यक्ति तक तकनीक और सेवा की भावना पहुंचाने का संकल्प है। सेवा फर्स्ट इनोवेशन केवल एक तकनीकी प्रतियोगिता नहीं है, बल्कि यह तकनीक को मानवीय संवेदना और सामाजिक सरोकार से जोड़ने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि इंजीनियर का काम सिर्फ कोड लिखना या मशीनें बनाना नहीं है, बल्कि समाज की रोजमर्रा की समस्याओं का सरल, सस्ता और व्यावहारिक समाधान निकालना है। जब तकनीक के साथ सेवा की भावना जुड़ती है, तो नवाचार केवल व्यापार नहीं बनता, बल्कि राष्ट्र निर्माण का साधन बन जाता है। इस अवसर पर सह संयोजक सुनील ग्रोवर, मंडल के अध्यक्ष गोपी निशान, जिला पार्षद भूपेंद्र, मन की बात के संयोजक प्रदीप, नोडल अधिकारी हिमांशु राव व करण सिंह सहित कॉलेज के विद्यार्थी मौजूद थे।

तीन कॉलोनियों को वैध घोषित करने पर सीएम का जताया आभार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोसली



रेवाड़ी। मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए विधायक अनिल यादव।

विधायक अनिल यादव ने कोसली के आसपास 150 एकड़ में बसी तीन कॉलोनियों को नियमित किए जाने पर संत कबीर कुटीर निवास पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार व्यक्त किया। विधायक ने कहा कि पिछले काफी समय से यहां के हजारों निवासी इन कॉलोनियों को नियमित करने की सरकार से मांग करते आ रहे थे। उन्होंने प्रस्ताव को सरकार को दिया था, जिसे मंजूर करते हुए नगर एवं ग्राम आयोजना विभाग ने नियमितीकरण का नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। उन्होंने बताया कि कोसली के नाहड़ रोड पर बसी पेट्रोल पंप कॉलोनी, भाकली-2 के फ्लाईओवर के आसपास बसी कॉलोनी तथा नठेड़ा रोड़ पर हैप्पी स्कूल के समीप बसी कॉलोनी को सरकार ने वैध घोषित किया है।

बाबा साहेब असाधारण प्रतिभा और दूरदर्शी सोच के धनी थे: डा. प्रीतम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मीरपुर



रेवाड़ी। कार्यक्रम में संबोधित करते हुए मुख्यातिथि।

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय के सरदार पटेल भवन स्थित सेमिनार हॉल में डा. बी आर आंबेडकर अध्ययन केंद्र का उद्घाटन एवं विशेष शैक्षणिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. असीम मिगलानी ने की।

उन्होंने कहा कि डा. भीमराव आंबेडकर के विचार और अनुभव इतने गहन व व्यापक हैं कि इस अध्ययन केंद्र के माध्यम से विद्यार्थी उनके दर्शन को गहराई से समझ सकेंगे। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा के विद्यार्थियों को भारत के संविधान के महत्व को समझकर उसका अध्ययन करना चाहिए। कुलसचिव प्रो. दिलबाग सिंह ने मुख्य अतिथि डा. प्रीतम सिंह निदेशक डा. बी आर आंबेडकर अध्ययन केंद्र कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, विशिष्ट अतिथि लेफ्टिनेंट प्रो. वीरेंद्र पाल कुलसचिव कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय एवं अन्य गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया। कुलसचिव ने कहा कि किसी भी देश की वास्तविक प्रगति के लिए नागरिकों के बीच आपसी बंधुत्व और सामाजिक समरसता की भावना होना अनिवार्य है।

पूर्व कैबिनेट मंत्री के भाई का निधन

रेवाड़ी। पूर्व कैबिनेट मंत्री जगदीश यादव के बड़े भाई ओम प्रकाश बोहरा के निधन पर वीरवार को नेताओं व लोगों ने उनके पैतृक गांव हालुहेड़ा में श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रद्धांजलि देने वालों में पूर्व जिला प्रमुख सतीश यादव, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता वेद प्रकाश विद्रोही, नगर परिषद के पूर्व चेयरमैन हरीश अरोड़ा, प्रेमनाथ गेरा, मनोज कोसलिया व बलजोर यादव सहित अनेक गणमान्य लोग शामिल रहे। सभी ने पीड़ित परिवार को सांत्वना दी। 76 वर्षीय ओम प्रकाश बोहरा का निधन हार्ट अटैक के कारण हो गया था। इस दौरान स्व. ओमप्रकाश बोहरा के बड़े भाई हरीराम यादव रिटायर्ड डीएफओ व छोटे भाई पूर्व कैबिनेट मंत्री जगदीश यादव सहित अनेक लोग उपस्थित थे।



रेवाड़ी। श्रृद्धांजलि सभा में मौजूद गणमान्य लोग।

एमपीएचडब्ल्यू वर्ग को मॉडल ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी से छूट देने की मांग

कर्मचारियों ने एमओटीपी के विरोध में की सांकेतिक हड़ताल

ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित होने की जताई आशंका

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी



रेवाड़ी। सीएमओ को ज्ञापन सौंपते हुए एसोसिएशन के पदाधिकारी व सदस्य।

बहुउद्देश्यीय स्वास्थ्य कर्मचारी एसोसिएशन हरियाणा के आह्वान पर वीरवार को सिविल सर्जन कार्यालय में एमपीएचडब्ल्यू वर्ग के कर्मचारियों ने मॉडल ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी यानि एमओटीपी के विरोध में दो घंटे की सांकेतिक हड़ताल की। इसके बाद कर्मचारियों ने सिविल सर्जन डा. नरेन्द्र दहिया को ज्ञापन सौंपकर एमपीएचडब्ल्यू वर्ग को इस नीति से छूट देने की मांग उठाई। एसोसिएशन पदाधिकारियों ने कहा कि मॉडल ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी लागू करते समय कर्मचारियों को पारदर्शी तबादला व्यवस्था का भरोसा दिया गया था, लेकिन पॉलिसी में विभिन्न विसंगतियों, भ्रांतियों और रेशनलाइजेशन के नाम पर पदों को सीमित किए जाने जैसी समस्याओं के कारण कर्मचारियों में असंतोष है। एसोसिएशन ने पॉलिसी की समीक्षा कर इसे वापस लेने तथा एमपीएचडब्ल्यू वर्ग को इससे बाहर रखने की मांग की। एसोसिएशन सदस्यों ने कहा कि एमपीएचडब्ल्यू मेल व फिमेल कर्मचारियों की जिम्मेदारियां सीधे तौर पर ग्रामीण और सामुदायिक स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी हैं। टीकाकरण, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, मलेरिया व डेंगू नियंत्रण, स्वास्थ्य सर्वेक्षण और विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य अभियानों के संचालन में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। बड़े पैमाने पर तबादले होने से उपस्वास्थ्य केंद्रों और हेल्थ एंड वेलनेस सेंटरों पर स्वास्थ्य सेवाओं की निरंतरता प्रभावित हो सकती है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य अभियानों पर पड़ सकता है असर

एसोसिएशन सदस्यों ने कहा कि मलेरिया और डेंगू नियंत्रण, टीबी उन्मूलन, पल्स पोलियो तथा अन्य राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की सफलता स्थानीय स्तर पर तैयार की गई योजनाओं और कर्मचारियों की क्षेत्रीय जानकारी पर निर्भर करती है। नए क्षेत्र में तैनाती के बाद कर्मचारियों को वहां की भौगोलिक परिस्थितियों, स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों और स्थानीय आबादी से परिचित होने में समय लगता है। इससे स्वास्थ्य अभियानों के लक्ष्य प्रभावित होने का खतरा रहता है।

महिला कर्मचारियों की सुरक्षा का मुद्दा भी उठा

एसोसिएशन ने महिला स्वास्थ्य कर्मचारियों की समस्याओं का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्हें दुर्गम गांवों में घर-घर जाकर सर्वेक्षण और स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करनी पड़ती हैं। दूर-दराज के जिलों में तबादला होने से आवागमन, आवास और सुरक्षा से संबंधित परेशानियां बढ़ सकती हैं। इससे कर्मचारियों के मनोबल और कार्यक्षमता पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है। एसोसिएशन ने सिविल सर्जन से एमपीएचडब्ल्यू वर्ग की कार्यप्रणाली और ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं की विशेष आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए इस वर्ग को एमओटीपी से छूट देने की मांग की।

कर्मचारियों को सुशासन संचार कौशल की दी जानकारी

रेवाड़ी। हरियाणा इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन यानि हिपा गुरुग्राम की ओर से राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज लिसाना में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सरकारी कर्मचारियों को सुशासन, हरियाणा राइट टू सर्विस एक्ट, सरकारी कर्मचारियों के आचरण नियमों तथा प्रभावी संचार कौशल के प्रति जागरूक करना था। प्रशिक्षण कार्यक्रम में हिपा के विशेषज्ञ प्रशिक्षक एवं सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी शिव प्रसाद शर्मा, प्रभारी डिवीजन ट्रेनिंग सेंटर हिपा गुरुग्राम तथा अविनाश चंद्र शर्मा पूर्व प्रिंसिपल, डिवीजन ट्रेनिंग सेंटर हिपा गुरुग्राम ने शिरकत की। दोनों विशेषज्ञों ने विभिन्न विषयों पर जानकारी देते हुए संवादात्मक प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया।

खबर संक्षेप

तीन मामलों में फरार पीओ चढ़ा हत्थे

रेवाड़ी। मॉडल टाउन थाना पुलिस ने तीन मामलों में कोर्ट से घोषित किए गए एक पीओ को गिरफ्तार किया है। कोर्ट में चल रहे मामलों में राजस्थान के ढाणी सरजूदास निवासी ओमप्रकाश गैर हाजिर चल रहा था। उसे कोर्ट ने तीन मामलों में पीओ घोषित करने के बाद पुलिस को उसके खिलाफ केस दर्ज करने के आदेश दिए थे। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ गत 28 अगस्त को केस दर्ज किया था। आरोपी ओमप्रकाश को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस ने कोर्ट में पेश किया, उसे न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया गया।

चोरी के मामले में आरोपी गिरफ्तार कर जेल भेजा

रेवाड़ी। थाना मॉडल पुलिस ने चोरी के आरोप में गिरफ्तार किए गए एक आरोपी को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया। पुलिस ने थाना क्षेत्र में चोरी की वारदात के बाद 4 अगस्त को केस दर्ज किया था। पुलिस ने मामले की जांच के बाद नूंह के लिहंगा निवासी साबिर को कोर्ट से प्रोडक्शन वारंट पर लिया था। आरोपी चोरी के अन्य मामलों में भी शामिल रहा है। उससे चोरी का माल बरामद करने के बाद कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया गया। आरोपी के खिलाफ पहले भी कई मामले दर्ज हैं।

मारपीट मामलों में पांच आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। पुलिस ने मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामलों में दंपति सहित पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पीड़ित के बयान पर थाना रामपुरा पुलिस ने 10 अक्टूबर को केस दर्ज किया था। इस मामले में जांच के बाद पुलिस ने कालूवास निवासी भूपेंद्र और उसकी पत्नी कृष्णा को गिरफ्तार किया है। थाना सदर पुलिस ने 10 अक्टूबर को दर्ज मामले में मुडिया खेड़ा निवासी नीरज, रोहड़ाई निवासी मनोज और मुरादपुरी निवासी चिराग को गिरफ्तार किया है। वारदात में प्रयुक्त ईको कार को पुलिस ने कब्जे में ले लिया।

कोसली में आज रखेंगे नए बस स्टैंड की आधारशिला

कोसली। कोसली के विधायक अनिल यादव 16 अक्टूबर को सुबह 9 बजे कोसली में 11 करोड़ 57 लाख रुपये की लागत से बनने जा रहे नए बस स्टैंड की आधारशिला रखेंगे। इसके बाद वे सुबह 11 से दोपहर 1 बजे तक नाहड़ लोक निर्माण विश्राम गृह में जन शिकायतों की सुनवाई करेंगे। प्रवक्ता ने बताया कि बस स्टैंड की कुल लागत में 5 करोड़ 37 लाख 46 हजार रुपये लोक निर्माण विभाग को बस स्टैंड का भवन बनाने के लिए जारी कर दिए गए हैं। कार्यक्रम में पार्टी कार्यकर्ता, पंचायत जनप्रतिनिधि व विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहेंगे।

विधायक कल करेंगे टाइल फैक्ट्री का शुभारंभ

रेवाड़ी। कोसली के विधायक अनिल यादव 17 अक्टूबर को महेंद्रगढ़ रोड पर जाडरा में श्रीश्याम ट्रेडर्स की फ्लाई ऐश ईंट एवं इंटरलॉकिंग टाइल्स फैक्ट्री का शुभारंभ करेंगे। फैक्ट्री के संचालक, समाजसेवी व ब्लॉक समिति चेयरमैन प्रतिनिधि रविंद्र खोला ने बताया कि समारोह की शुरूआत सुबह 8 बजे हवन-पूजन के साथ होगी। सुबह 11 बजे फैक्ट्री का विधिवत शुभारंभ किया जाएगा। इसके बाद प्रीतिभोज का आयोजन होगा। समारोह को लेकर तैयारियां की जा रही हैं। श्रीश्याम ट्रेडर्स की इस फैक्टरी में फ्लाई ऐश ईंटों और इंटरलॉकिंग टाइल्स का निर्माण किया जाएगा। इन उत्पादों का उपयोग भवन निर्माण, सड़क निर्माण तथा अन्य विकास कार्यों में किया जाता है।

अनफिट बसों के कारण हादसों को मिल रहा बढ़ावा

लीज पर चल रही 'अनफिट' बसों पर कसेगा शिकंजा, अभियान चलाने के आदेश जारी

■ प्राइवेट बसों के कारण रोडवेज विभाग बदनामी का शिकार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी



रेवाड़ी। बस स्टैंड परिसर में बूथ पर खड़ी बसें। फोटो : हरिभूमि

प्रदेश के परिवहन विभाग के बेड़े में शामिल 500 से अधिक लीज की बसों के कुशल संचालन को लेकर परिवहन विभाग एक्टिव हो गया है। इसके लिए निदेशालय ने प्रदेश के सभी जीएम को पत्र लिखकर लीज की बसों की जांच कराने के आदेश जारी किए हैं। जांच में खामियां पाए जाने वाली बसों के खिलाफ लीज की शर्तों के अनुसार कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। किलोमीटर स्कीम के तहत विभिन्न रोडवेज डिपो में लीज के आधार पर 510 बसों का संचालन हो रहा है। इनमें से अधिकांश बसों को लंबे रूटों पर चलाया जा रहा है। अनुबंध के अनुसार इन बसों को रोजाना 400 किलोमीटर की दूरी तय करनी होती है। समय पर मेंटिनेंस के अभाव में या तो बड़ी संख्या में बसें रास्ते में ही ब्रेकडाउन हो जाती हैं या फिर अनफिट होने के कारण हादसों का कारण बनती हैं। इससे एक ओर जहां रोडवेज विभाग की छवि धूमिल होती है, तो दूसरी ओर यात्रियों की जान जोखिम में पड़ी रहती है। बस ऑपरेटर समय पर बसों की सर्विस तक नहीं कराते, जिससे हादसों का जोखिम और बढ़ जाता है। लंबे रूटों पर संचालित होने के कारण पूर्व में विभिन्न हाइवे पर लीज पर चल रही बसें हादसों का शिकार हो चुकी हैं। रोडवेज कर्मचारी यूनियनों की ओर से लगातार उच्चाधिकारियों को इस बात से अवगत कराया जाता रहा है कि इन बसों के कारण विभाग की छवि आमजन में धूमिल हो रही है। इसी मांग को देखते हुए निदेशालय की ओर से बसों की जांच के लिए पत्र लिखे गए हैं।

बसों की कराई जा रही जांच



मुख्यालय की ओर से आदेश मिलने के बाद सभी बसों की जांच कराई जा रही है। वैसे भी इन बसों की जांच समय-समय पर कराई जाती है। अगर कोई बस संचालन के योग्य नहीं मिलती, तो उसके खिलाफ नियमानुसार एक्शन लिया जाता है। हमारे डिपो में पुरानी बसों की जगह नई बसों को शामिल किया जा चुका है। इसके बावजूद बसों की चेकिंग नियमित रूप से की जा रही है। -निरंजन शर्मा, जीएम।

टायर तक समय पर नहीं बदलते

जानकार सूत्रों के अुनसार किलोमीटर स्कीम की बसों के टायर तक समय पर नहीं बदले जाते। पुराने और घिसे हुए टायरों फटने से कभी बड़ा हादसा हो सकता है। कई बसों की लाइटों से लेकर इंडिकेटर तक सही नहीं मिलते। डिपो से निकलते ही कुछ दूर चलने के बाद बस ब्रेकडाउन भी हो जाती हैं, जिससे यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

मुख्यालय भेजनी होगी रिपोर्ट

रोडवेज निदेशालय की ओर जारी पत्र क्रमांक 5278-5301/टीआई-8 के मुताबिक सभी जीएम निरीक्षकों की टीम को इन बसों की जांच के निर्देश जारी करेंगे। इन बसों के संदर्भ में लगातार शिकायतें मिल रही हैं। जांच के बाद निदेशालय को रिपोर्ट भेजना सुनिश्चित करेंगे। साथ ही संचालन के लिए फिट नहीं मिलने वाली बसों के खिलाफ लीज की शर्तों के मुताबिक एक्शन लेना होगा।

अवैध कॉलोनी में चला डीटीपी का पीला पंजा

ढाई एकड़ में की गई तोड़फोड़



रेवाड़ी। गांव हरि नगर में अवैध कॉलोनी में निर्माण तोड़ते हुए जेसीबी।

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

जिला नगर योजनाकार विभाग की ओर से वीरवार को अवैध कॉलोनियां विकसित करने वालों के खिलाफ तोड़फोड़ की कार्रवाई की। विभाग की टीम ने करीब 2.5 एकड़ भूमि पर विकसित की जा रही अवैध कॉलोनियों में बनाई गई पक्की चारदीवारी, डीपीसी, आरसीीी पोल और कच्चे रोड नेटवर्क को ध्वस्त कर दिया। कार्रवाई के दौरान भारी पुलिस बल तैनात रहा। ड्यूटी मजिस्ट्रेट की देखरेख में कार्रवाई की गई।

यहां की गई तोड़फोड़ की कार्रवाई : डीटीपी की टीम की ओर से राजस्व संपदा रामपुरा में करीब 2.5 एकड़ भूमि पर बिना अनुमति विकसित की जा रही अवैध कॉलोनी में 5 डीपीसी, 3 पक्की चारदीवारी, 10 आरसीसी पोल और कच्चे रोड नेटवर्क को समतल किया गया। इस कार्रवाई से अवैध रूप से कॉलोनी काटने वालों में हड़कंप मच गया।

शहरी क्षेत्र में अवैध निर्माण न करें: डीटीपी

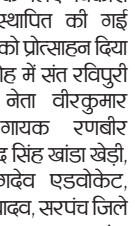

डीटीपी नरेन्द्र नैन ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि नियंत्रित एवं शहरी क्षेत्र में कोई भी अवैध निर्माण न करें और प्लॉट खरीदने से पहले संबंधित कॉलोनी की वैधता की जानकारी जरूर लें। उन्होंने कहा कि अवैध कॉलोनियों में प्लॉट खरीदने के बाद विभागीय कार्रवाई होने पर लोगों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। कुछ प्रॉपर्टी डीलर कृषि भूमि पर कॉलोनी काटकर लोगों को प्लॉट बेच देते हैं और खरीदारों को जमीन की वैधता के संबंध में पूरी जानकारी नहीं होती।

श्रद्धालुओं को धर्म, सेवा व परोपकार के मार्ग पर चलने का दिया संदेश

■ चिमनावास स्थित बाबा झोपड़ी वाले धाम में सुख-शांति और समृद्धि के लिए हवन किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी



रेवाड़ी। चिमनावास पहाड़ी धाम पर हवन करते हुए लोग। फोटो : हरिभूमि

क्षेत्र के गांव चिमनावास में पहाड़ी पर स्थित बाबा झोपड़ी वाले धाम में सुख-शांति, उन्नति, तरक्की और सर्वकल्याण की कामना को लेकर हवन का आयोजन किया गया। बाबा धर्मेंद्रगिरी महाराज की देखरेख में आयोजित धार्मिक कार्यक्रम में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। इस दौरान वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ हवन-यज्ञ, पूजा-पाठ और आरती की गई। इस मौके पर भोले बाबा स्वामी ने कहा कि हवन-यज्ञ का उद्देश्य सभी के जीवन में सुख-शांति बनाए रखना तथा भक्तों, सेवकों और समाज के प्रत्येक वर्ग की उन्नति एवं समृद्धि की कामना करना है। उन्होंने कहा कि गरीब, मजदूर और किसान समाज की महत्वपूर्ण नींव हैं। उनके कल्याण और खुशहाली के लिए सभी को सकारात्मक सोच के साथ आगे आना चाहिए। उन्होंने श्रद्धालुओं को धर्म, सेवा और परोपकार के मार्ग पर चलने का संदेश भी दिया। उन्होंने बताया कि चिमनावास की पहाड़ी पर बाबा सूरजगिरी महाराज ने सैकड़ों वर्ष पूर्व भजन, जप और तपस्या के माध्यम से बाबा झोपड़ी वाले धाम की शुरूआत की थी। तभी से यह स्थान श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र बना हुआ है। कार्यक्रम में नीरज शर्मा और रावेंद्र शर्मा ने मंत्रोच्चारण के साथ धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराया। इस अवसर पर धाम से जुड़े भक्त, सेवक और अन्य श्रद्धालु उपस्थित रहे।

युवाओं का भविष्य संवारने के लिए गांवों में स्थापित की जा रही अटल ई-लाइब्रेरी : कृष्ण पंवार

■ गांवों के विकास को त्वरित गति देने के लिए वीबीजी-रामजी योजना सुचारु रूप से चलाई जा रही है

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोसली



रेवाड़ी। समारोह में संबोधित करते पंचायत एवं विकास मंत्री कृष्ण लाल पंवार।

हरियाणा के पंचायत एवं विकास तथा खनन मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि प्रदेश के गांवों में फिरनी पक्की बनवाने तथा स्ट्रीट लाइटें लगवाने का कार्य किया जा रहा है। गांवों के विकास को त्वरित गति देने के लिए वीबीजी-रामजी योजना सुचारु रुप से चलाई जा रही है। पंचायत एवं विकास मंत्री कृष्ण लाल पंवार वीरवार को गांव श्याम नगर में लोक गायक विकास पाहसोरिया की ओर से स्थापित आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक पाठशाला के तीसरे स्थापना दिवस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन तथा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार गांवों का समुचित विकास कराने में जुटी हुई है। प्रदेश के ग्रामीण अंचल के 19 हजार तालाबों में से 16 हजार का सर्वेक्षण करा लिया गया है, जिनमें से 2200 तालाबों का सुधारीकरण का कार्य कराया जा रहा है। गांवों में जोहड़ के आसपास पार्क व फुटपाथ आदि का निर्माण व पौधरोपण का कार्य किया जा रहा है। प्रदेश के युवाओं के भविष्य को संवारने के लिए गांवों में अटल ई-लाइब्रेरी स्थापित की जा रही हैं। राज्य के 989 गांवों में अटल-ई लाइब्रेरी बनाई गई हैं तथा अन्य एक हजार को चिन्हित कर लिया गया है। कोई भी ग्राम पंचायत स्वेच्छा से भवन देकर ई-लाइब्रेरी पंचायत विभाग से स्थापित करा सकती है। इसी प्रकार दस लाख रुपये का अनुदान देकर गांव में इनडोर जिम एवं भवन मुहैया करवाने पर महिला सांस्कृतिक केंद्रों की स्थापना की जा रही है।

सनातन धर्म सुरक्षित तो हम सब सुरक्षित

पंचायत एवं विकास मंत्री ने कहा कि सनातन धर्म सुरक्षित है तो हम सब सुरक्षित है। आज के समय में युवाओं को लोक व धार्मिक संस्कृति से जोड़ना बहुत जरुरी है। युवा नशे की बुराई से दूर रहें तथा खेल व शिक्षा के प्रति जागरुकता रखें। संगठित समाज में सांस्कृतिक चेतना के लिए विकास पाहसोरिया द्वारा स्थापित की गई पाठशाला जैसे केंद्रों को प्रोत्साहन दिया जाना चाहिए। समारोह में संत रविपुरी महाराज, भाजपा नेता वीरकुमार यादव, प्रसिद्ध गायक रणबीर बड़वासनिया, आजाद सिंह खांडा खेड़ी, सुशील यादव, जगदेव एडवोकेट, जिला पार्षद शारदा यादव, सरपंच जिले सिंह, अहर गांव के बलवान सरपंच, राजपाल, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी नरेंद्र सारवान, बीडीपीओ अनिल कुमार व जिला खनन अधिकारी निरंजन मौजूद रहे।

विद्यार्थियों ने आकर्षक प्रस्तुतियों से सभी का मन मोहा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी



रेवाड़ी। महोत्सव में प्रस्तुति देते हुए छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

जिला शिक्षा विभाग की ओर से आयोजित दो दिवसीय जिला स्तरीय सांस्कृतिक उत्सव का आगाज वीरवार को शहीद रामस्वरूप राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कंवाली में किया गया। पहले दिन प्राथमिक एवं मिडल विंग के विद्यार्थियों ने आकर्षक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा से सभी का मन मोहा। कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी राजेन्द्र शर्मा, जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी प्रदीप दहिया और उप जिला शिक्षा अधिकारी राजेन्द्र यादव मौजूद रहे। कार्यक्रम में जिला सांस्कृतिक समन्वयक अशोक कुमार नामवाल, खंड शिक्षा अधिकारी सत्यवीर नाहड़िया खोल, फतेह सिंह खंड शिक्षा अधिकारी बावल, सुरेश कुमार खंड शिक्षा अधिकारी नाहड़ व मेजबान प्राचार्य अनिल यादव भी उपस्थित रहे। इस मौके पर डीईओ राजेन्द्र शर्मा ने कहा कि सांस्कृतिक कार्यक्रम बच्चों के सर्वांगीण विकास की नींव हैं।

इस तरह के मंच बच्चों में आत्मविश्वास पैदा करते हैं और हमारी लुप्त होती हरियाणवी संस्कृति को सहेजने का काम करते हैं। डीईईओ प्रदीप दहिया ने कहा कि प्राथमिक एवं मिडल विंग के बच्चों में जो प्रतिभा आज देखने को मिली, वह अद्भुत है। हार-जीत से ज्यादा भागीदारी महत्वपूर्ण है।

छात्रों ने मंच पर मचाया धमाल

शिक्षाविद मनोज वशिष्ठ ने बताया कि प्रथम दिवस के सभी निर्धारित कार्यक्रम चार अलग-अलग मंचों पर सम्पन्न हुए। कक्षा 5वीं से 8वीं के बच्चों के लिए लोक नृत्य समूह, लोक नृत्य एकल, हरियाणवी रागनी, एकल गायन और स्किट प्रतियोगिताएं आयोजित हुईं। कार्यक्रम में जिले के 5 खंडों के 300 से अधिक बच्चों ने मंच पर प्रतिभा बिखेरी।

एक नवंबर को होगी ओपन ताइक्वांडो चैंपियनशिप

विजेता खेलेंगे हरियाणा कप में

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

जिला ताइक्वांडो एसोसिएशन की ओर से जिले में ताइक्वांडो खेल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रथम ओपन जिला ताइक्वांडो चैंपियनशिप का आयोजन 1 नवंबर को जीडी गोयनका पब्लिक स्कूल में किया जाएगा। प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न स्कूलों और ताइक्वांडो अकादमियों के खिलाड़ी हिस्सा लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। प्रतियोगिता में भाग लेने के इच्छुक खिलाड़ियों के लिए पंजीकरण की अंतिम तिथि 25 अक्टूबर निर्धारित की गई है। खिलाड़ी लिंक के माध्यम से अपना पंजीकरण करा सकते हैं। प्रतियोगिता में शामिल होने वाले खिलाड़ियों का वजन आयोजन से एक दिन पहले लिया जाएगा। प्रतियोगिता के मुकाबले इलेक्ट्रॉनिक स्कोरिंग सिस्टम के माध्यम से कराए जाएंगे, जबकि सीनियर वर्ग के सभी मुकाबलों में प्रोटेक्टर एंड स्कोरिंग सिस्टम का इस्तेमाल किया जाएगा।

प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का होगा चयन

चैंपियनशिप का प्रमुख उद्देश्य आगामी हरियाणा कप के लिए प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का चयन करना भी है। प्रतियोगिता में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को हरियाणा कप के लिए चयनित किया जाएगा। हरियाणा कप का आयोजन नवंबर के अंतिम सप्ताह या दिसंबर में संभावित है। एसोसिएशन ने सभी कोचों से निर्धारित समय सीमा के भीतर अपने खिलाड़ियों का पंजीकरण कराने की अपील की है। पंजीकरण के दौरान खिलाड़ी जिस स्कूल या अकादमी की ओर से प्रतियोगिता में हिस्सा लेगा, उसी संस्थान का नाम दर्ज करना अनिवार्य होगा। एक बार पंजीकरण होने के बाद स्कूल या अकादमी का नाम बदलने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

मारपीट और साक्ष्य मिटाने के मामले में दो दोषियों को 5-5 वर्ष की सजा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश जतिन गर्ग की अदालत ने थाना कसोला के अंतर्गत हुए मारपीट व साक्ष्य मिटाने के मामले में फैसला सुनाते हुए मामले में संलिप्त दो आरोपियों गांव माजरा गुरदास निवासी बलवंत उर्फ टिंडा व नवीन को दोषी करार देते हुए 5-5 साल की कैद और 5-5 हजार जुर्माने की सजा सुनाई है। जुर्माना नहीं भरने पर दोनों दोषियों को 2 महीने जेल की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। 20 मार्च 2020 को गांव माजरा गुरदास निवासी सचिन ने चौकी गढ़ी बोलनी पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि 19 मार्च 2020 की सुबह उनका भतीजा निकेश योगशाला गया था जो घर पर वापस नहीं लौटा। अगले दिन 20 मार्च को सुबह समय करीब 10:30 बजे उसे सूचना मिली कि निकेश गांव की योगशाला में अचेत एवं लहुलुहान अवस्था में पड़ा है, जिसके चेहरे व सिर पर गंभीर चोटें मारी गई थीं। शिकायतकर्ता व अन्य ग्रामीणों ने निकेश को तुरंत इलाज के लिए निजी अस्पातल में भर्ती कराया। पुलिस ने मारपीट का मामला दर्ज करके जांच शुरू की थी। गढ़ी बोलनी चौकी पुलिस ने मामले की गहनता एवं तत्परता से जांच करते हुए साक्ष्य जुटाए तथा मामले में संलिप्त सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर चालान अदालत में पेश किया।

मंदिरों में पांचवें नवरात्र पर मां स्कंदमाता की पूजा

आज छठे दिन देवी कात्यायनी का होगा गुणगान

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

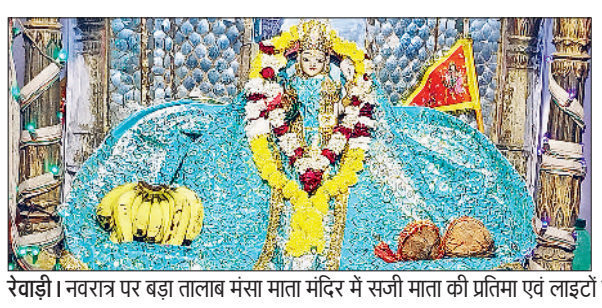



रेवाड़ी। नवरात्र पर बड़ा तालाब मंसा माता मंदिर में सजी माता की प्रतिमा एवं लाइटों से जगमग बड़ा तालाब माता का मंदिर। फोटो : हरिभूमि

शहर के माता मंदिरों में मां दुर्गा के नवरात्रों पर पूजा अर्चना के लिए श्रद्धालुओं की काफी भीड़ पड़ रही है। मंदिरों में महिला मंडल की ओर से देर शाम तक भजन-कीर्तन का आयोजन भी किया जा रहा है। श्रद्धालुओं ने शहर की अनेक कॉलोनियों में अपने स्तर पर मां दुर्गा का गुणगान करने के लिए कार्यक्रमों का आयोजन भी किया हुआ है। इन आयोजनों में क्षेत्रवासी बड़ी संख्या में मां के दर्शन करने व अपनी मनोकामना पूर्ण करने के लिए पहुंच रहे हैं। वीरवार को माता के मंदिरों में मां दुर्गा के पांचवें स्वरूप स्कंदमाता की पूरे विधि विधान से पूजा की गई। शहर के बारा हजारी स्थित प्राचीन दुर्गा माता मंदिर, धारूहेड़ा चुंगी स्थित काली माता मंदिर, बड़ा तालाब स्थित मंसा माता मंदिर, नई बस्ती स्थित मंसा देवी मंदिर, सेक्टर-3 स्थित माता मंदिर, बारा पत्थर स्थित कालीमाता मंदिर, आर्य समाज रोड स्थित दुर्गामाता मंदिर सहित सभी मंदिरों में धार्मिक अनुष्ठान किए गए। शहर के मुख्य बाजारों में भी नवरात्रों के अवसर पर दुकानदारों ने अपनी दुकानें सजाई हुई हैं। जहां मां दुर्गा से संबंधित सामग्री मिल रही है, वहीं कंजिकाओं के लिए भी दुकानदारों ने आर्टिफिशियल ज्वैलरी सहित कई प्रकार के उपहार बिक्री के लिए उतार दिए हैं।

मां कात्यायनी बृजमंडल की अधिष्ठात्री देवी भी हैं

मां दुर्गा के छठे स्वरूप को कात्यायनी देवी के नाम से जाना जाता है। धर्म पुराण में बताया गया है कि जब दानव महिषासुर का अत्याचार पृथ्वी पर बढ़ गया था, तब भगवान ब्रह्मा, विष्णु, महेश तीनों ने अपने-अपने तेज का अंश देकर महिषासुर के विनाश के लिए एक देवी को उत्पन्न किया, महर्षि कात्यायन ने सर्व प्रथम इनकी पूजा की। इसी कारण से यह देवी कात्यायनी कहलाई। शुक्रवार को छठे नवरात्रे पर उपासक मां कात्यायनी की पूजा करेंगे। मां कात्यायनी अमोघ फलदायिनी है, भगवान कृष्ण को पति के रूप में पाने के लिए ब्रज की गोपियों ने इन्हीं माता की पूजा कालिंदी यमुना के तट पर की थी। मां कात्यायनी बृजमंडल की अधिष्ठात्री देवी भी हैं। मां का स्वरूप अत्यंत ही भव्य और दिव्य है। इनका वर्ण स्वर्ण के समान चमकीला और भास्वर है, मां की चार भुजाएं हैं, दाहिनी तरफ के ऊपर वाला हाथ अभयमुद्रा में है तथा नीचे वाला हाथ वर मुद्रा में है। बांयी ओर के ऊपर वाले हाथ में तलवार और नीचे वाले हाथ में कमल पुष्प सुशोभित है। मां का वाहन सिंह है। मां कात्यायनी की भक्ति और उपासना द्वारा मनुष्य को बड़ी सरलता से अर्थ, धर्म, काम और मोक्ष चारों फलों की प्राप्ति हो जाती है, उपासक के रोग, शोक, संताप, भय आदि भी नष्ट हो जाते हैं। मां पापों को भी नष्ट करने वाली देवी है। इनकी उपासना से भी सुगम और सरल मार्ग कोई दूसरा नहीं है। इसलिए उपासकों को मां की शरण में जाकर उनकी उपासना करनी चाहिए।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
रेवाड़ी कार्यालय : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, सेक्टर-1 वाला कच्चा रास्ता, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी सम्पर्क करें: 8053076211, 8295738500, 9253681005